

Seat No. : \_\_\_\_\_

# MG-114

March-2019

B.A., Sem.-III

(EC-II) 204 : Hindi

(सूरज का सातवाँ घोड़ा)

Time : 2:30 Hours]

[Max. Marks : 70

1. (a) धर्मवीर भारती के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए । 14

अथवा

उपन्यास की परिभाषा देकर हिन्दी उपन्यास के प्रमुख प्रकारों की चर्चा कीजिए ।

- (b) निम्नलिखित प्रश्नों के एक-एक वाक्य में तथा सही विकल्प चुनकर उत्तर दीजिए । (किन्हीं चार) 4

- (1) उपन्यास के प्रमुख कितने तत्व माने जाते हैं ?
- (2) किसी पिछड़े अंचल को केन्द्र में रखकर लिखे गये उपन्यासों को किस प्रकार का उपन्यास कहा जाता है ?
- (3) उपन्यास को अंग्रेजी में क्या कहा जाता है ?
- (4) धर्मवीर भारती ने किस पत्रिका का संपादन किया था ?
  - (a) धर्मवीर
  - (b) धर्मयुद्ध
  - (c) धर्मयुग
  - (d) धर्मराग
- (5) फ्रॉयड के दर्शन से प्रभावित उपन्यास इनमें से किस कोटि में आते हैं ?
  - (a) मनोवैज्ञानिक
  - (b) ऐतिहासिक
  - (c) सामाजिक
  - (d) आँचलिक
- (6) धर्मवीर भारती का जन्म कब हुआ था ?
  - (a) 1926
  - (b) 1936
  - (c) 1930
  - (d) 1940

2. (a) 'सूरज का सातवाँ घोड़ा' उपन्यास का कथानक अपने शब्दों में लिखिए । 14

अथवा

'सूरज का सातवाँ घोड़ा' उपन्यास की संवाद-योजना को सोदाहरण समझाइए ।

- (b) निम्नलिखित प्रश्नों के एक-एक वाक्य में तथा सही विकल्प चुनकर उत्तर दीजिए । (किन्हीं चार) 4
- (1) 'सूरज का सातवाँ घोड़ा' उपन्यास कब प्रकाशित हुआ था ?
  - (2) 'सूरज का सातवाँ घोड़ा' उपन्यास में कुल कितनी दोपहर की कहानियाँ हैं ?
  - (3) तन्ना की करुण कहानी कौन-सी दोपहर में आती है ?
  - (4) सूरज का सातवाँ घोड़ा उपन्यास की भूमिका इनमें से किसने लिखी है ?
    - (a) धर्मवीर भारती
    - (b) यशपाल
    - (c) अज्ञेय
    - (d) प्रसाद
  - (5) मुल्ला के बापदादे इनमें से कौन-से थे ?
    - (a) पंजाबी
    - (b) काश्मीरी
    - (c) सिन्धी
    - (d) राजस्थानी
  - (6) पाँचवीं दोपहर का शीर्षक क्या है ?
    - (a) घोड़े की नाल
    - (b) नमक की अदायगी
    - (c) काले बेंट का चाकू
    - (d) क्रमागत

3. (a) माणिक मुल्ला की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए । 14

**अथवा**

जमुना का चरित्र चित्रण कीजिए ।

- (b) निम्नलिखित प्रश्नों के एक-एक वाक्य में तथा सही विकल्प चुनकर उत्तर दीजिए । (किन्हीं तीन) 3
- (1) 'सूरज का सातवाँ घोड़ा' उपन्यास के नायक कौन हैं ?
  - (2) बूढ़े जमींदार के यहाँ ताँगा चलाने का काम कौन करता था ?
  - (3) माणिक मुल्ला किसके नमक की अदायगी करते हैं ?
    - (a) जमुना
    - (b) सत्ती
    - (c) लिली
    - (d) सन्तो
  - (4) इनमें से किसके साथ तन्ना का विवाह हुआ था ?
    - (a) सत्ती
    - (b) लिली
    - (c) जमुना
    - (d) रजनी
  - (5) चमन ठाकुर कौन था ?
    - (a) रिटायर्ड शिक्षक
    - (b) रिटायर्ड क्लर्क
    - (c) रिटायर्ड फौजी
    - (d) रिटायर्ड डॉक्टर

कहानियों की टेकनीक के बारे में उनका सबसे पहला सिद्धान्त था कि आधुनिक कहानी में आदि, मध्य या अन्त, तीनों में से कोई-न-कोई तत्त्व अवश्य छूट जाता है। ऐसा नहीं होना चाहिए। उनका कहना था कि कहानी वही पूर्ण है जिसमें आदि में आदि हो, मध्य में मध्य हो और अन्त में अन्त हो। इनकी व्याख्या वे यों करते थे : कहानी का आदि वह है जिसके पहले कुछ न हो। बाद में मध्य हो, मध्य वह है जिसके पहले आदि हो बाद में अन्त हो। अन्त उसे कहते हैं जिसके पहले मध्य हो बाद में रद्दी की टोकरी हो। कहानियों की टेकनीक के बारे में उनका दूसरा सिद्धान्त यह था कि कहानियाँ चाहे छायावादी हों या प्रगतिवादी, ऐतिहासिक हों या अनैतिहासिक, समाजवादी हों या मुसलिमगीरी, किन्तु उसमें कोई-न-कोई निष्कर्ष अवश्य निकलना चाहिए। वह निष्कर्ष समाज के लिए कल्याणकारी होना चाहिए ऐसा उनका निश्चित मत था और इसलिए यद्यपि उन्होंने जीवनभर कोई कहानी नहीं लिखी पर वे अपने को कथा-साहित्य में निष्कर्षवाद का प्रवर्तक मानते थे। कथा-शिल्प की पूरी प्रणाली वे इस प्रकार बताते थे : कुछ पात्र लो, और एक निष्कर्ष पहले सोच लो, जैसे.....यानी जो भी निष्कर्ष निकालना हो, फिर अपने पात्रों पर इतना अधिकार रखो, इतना शासन रखो कि वे अपने-आप प्रेम के चक्र में उलझ जायें और अन्त में वे उसी निष्कर्ष पर पहुँचें जो तुमने पहले से तय कर रखा है।

#### अथवा

वास्तव में सूर्य के रथ को आगे बढ़ना ही है। हुआ यह कि हमारे वर्ग-विगलित, अनैतिक, भ्रष्ट और अँधेरे जीवन की गलियों में चलने से सूर्य का रथ काफी टूट-फूट गया है और बेचारे घोड़ों की तो यह हालत है कि किसी की दुम कट गयी है तो किसी का पैर उखड़ गया है, तो कोई सूखकर ठठरी हो गया है, तो किसी के खुर घायल हो गये हैं। अब बचा है सिर्फ एक घोड़ा जिसके पंख अब भी साबित हैं, जो सीना ताने, गरदन उठाये आगे चल रहा है। वह घोड़ा है भविष्य का घोड़ा, तन्ना, जमुना और सत्ती के नन्हें निष्पाप बच्चों का घोड़ा, जिनकी जिन्दगी हमारी जिन्दगी से ज्यादा अमन-चैन की होगी, ज्यादा पवित्रता की होगी, उसमें ज्यादा प्रकाश होगा, ज्यादा अमृत होगा। वही सातवाँ घोड़ा हमारी पलकों में भविष्य के सपने और वर्तमान के नवीन आकलन भेजता है ताकि हम वह रास्ता बना सकें जिन पर होकर भविष्य का घोड़ा आयेगा। इतिहास के वे नये पन्ने लिख सकें जिन पर अश्वमेघ का दिग्विजयी घोड़ा दौड़ेगा। माणिक मुल्ला ने यह भी बताया कि यद्यपि बाकी छह घोड़े दुर्बल, रक्तहीन और विकलांग हैं पर सातवाँ घोड़ा तेजस्वी और शौर्यवान है और हमें अपना ध्यान और अपनी आस्था उसी पर रखनी चाहिए।

(b) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखें । (किन्हीं तीन)

3

- (1) सोया करते थे सभी लोग हकीमजी के चबूतरे पर ।
  - (2) बीचों-बीच आकाश के वह इन्द्रधनुष आकर टँग गया हैं ।
  - (3) प्रतीक है जमुना मानवता का ।
  - (4) बंधे हुए है सामाजिक परम्पराओं और परिस्थितियों में हम सब ।
  - (5) मन पर मेरे गहरा प्रभाव इस घटना ने डाला ।
-